# काशी में स्थापित हुई विक्रमादित्य वैदिक घड़ी

## मुख्यमंत्री की पहल पर उज्जैन के बाद बाबा विश्वनाथ के धाम में गूंजेगी भारतीय कालगणना

**भोपाल, 5 अप्रैल. कालगणना की पावन नगरी और 'महाकाल' के केंद्र उज्जैन से निकली भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में भी जीवंत हो उठी है.**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष पहल पर, भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की प्रथम 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बाबा काशी विश्वनाथ को अर्पित यह घड़ी भेंट की थी. इसके बाद विक्रम संवत् 2083, वैशाख कृष्ण पक्ष की द्वितीया (4 अप्रैल, 2026) को इसे मंदिर परिसर में पूर्ण श्रद्धा और विधि-विधान के साथ स्थापित किया गया. यह मध्यप्रदेश सरकार के उस संकल्प की ओर एक बड़ा कदम है, जिसके तहत देश के सभी ज्योतिर्लिंग और अयोध्या के श्रीराम मंदिर में भी वैदिक घड़ी की स्थापना की जानी है.

### परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम

उज्जैन के 'महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ' द्वारा विकसित यह घड़ी केवल समय बताने वाला यंत्र नहीं, बल्कि भारत के प्राचीन वैज्ञानिक ज्ञान का डिजिटल पुनर्जागरण है. यह घड़ी सूर्योदय से परिचालित होती है और एक पूर्ण दिवस को 30 मुहूर्तों में विभाजित करती है. इसकी विशेषता यह है कि यह स्थान-विशिष्ट सूर्योदय और सूर्यास्त के आधार पर सटीक समय की गणना करती है. इस घड़ी के माध्यम से श्रद्धालु और युवा पीढ़ी न केवल भारतीय मानक समय जान सकेंगे, बल्कि पंचांग, तिथि, योग, नक्षत्र, भद्रा स्थिति और ग्रहों के गोचर जैसी सूक्ष्म जानकारियों से भी रूबरू हो सकेंगे.

# ओंकारेश्वर, पशुपतिनाथ और महाकाल जुड़ेंगे

- सिंहस्थ कार्यों की प्रगति देख कलेक्टर, कमिश्नर की पीठ थपथपा गए राजौरा
- अपर मुख्य सचिव ने देखे घाट, सड़क, ब्रिज निर्माण
- कमिश्नर कलेक्टर ने संभाला मोर्चा

**नवभारत न्यूज**

**उज्जैन.** महाकाल की नगरी में बहती मोक्षदायिनी मां शिप्रा में समुद्र मंथन के दौरान अमृत की बूंदे गिरी थी, देवता और दानवों में हुए युद्ध में देवताओं की विजय हुई, तभी से उज्जैन में कुंभ का आयोजन होता आया है, देश विदेश से जो श्रद्धालु महाकाल आते हैं. वह ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के साथ भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर पर भी बड़ी तादाद में पहुंचे इसके लिए तीनों मंदिरों की कनेक्टिविटी की जाएगी.

रविवार को अपर मुख्य सचिव राजेश राजोरा उज्जैन पहुंचे, वह वर्ष 2004 में महाकाल की नगरी में कलेक्टर रह चुके हैं. ऐसे में उन्हें दीर्घकालिक अनुभव भी है और सीनियरिटी के हिसाब से भी उन्हें प्रशासनिक कार्यों में महारत हासिल है. यही वजह है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उज्जैन की कमान राजोरा के हाथ में सौंप रखी है.

**अफसर की थपथपाई पीठ-** महाकुंभ के दौरान 30 हजार करोड़ की राशि से जो निर्माण कार्य विकास कार्य सौंदर्यकरण बड़े पैमाने पर किए जा रहे हैं वह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह के नेतृत्व में तेजी से चल रहे हैं, जिसकी मॉनिटरिंग स्वयं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा भी की जा रही है. उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने कानून व्यवस्था के साथ ही सिंहस्थ की जो बागडोर संभाल रखी है. उसके तहत अपनी टीम के माध्यम से मैदानी कार्य न सिर्फ शुरू हुए बल्कि कुछ तो खत्म होने को भी है, यही कारण है कि अपर मुख्य सचिव राजेश राजोरा ने रविवार को कमिश्नर आशीष सिंह से लेकर कलेक्टर रोशन कुमार सिंह की पीठ थपथपाई.

**यहाँ पहुंचे राजौरा** - सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के अंतर्गत अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने उज्जैन में विभिन्न निर्माणाधीन कार्यों का स्थल निरीक्षण किया. उन्होंने अंगारेश्वर मंदिर क्षेत्र में क्षिप्रा नदी पर बनाए जा रहे नए घाटों का अवलोकन किया. इसके बाद कार्तिक मेला ग्राउंड से नईखेड़ी तक बनाए जा रहे लगभग 2.6 किलोमीटर लंबे सिंहस्थ बायपास फोरलेन मार्ग का निरीक्षण किया. राजौरा भूखी माता ब्रिज निर्माण स्थल भी पहुंचे, जहां उन्होंने निर्माण कार्य की गति, गुणवत्ता और सामग्री की उपलब्धता की जानकारी ली. अधिकारियों ने बताया कि ब्रिज का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूर्ण हो जाएगा और इसकी कनेक्टिंग रोड जनवरी 2027 तक तैयार हो जाएगी. इसके साथ ही उन्होंने गेल चौराहा से शांति नगर के बीच चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया.

**ये रहे मौजूद**-निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, एडीजीपी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, यूडीए सीईओ संदीप सोनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

### ओंकारेश्वर-पशुपतिनाथ पर फोकस

सिंहस्थ के तहत खंडवा कलेक्टर ने ओंकारेश्वर क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी. कलेक्टर ने बताया कि ओंकारेश्वर में सिंहस्थ से जुड़े विभिन्न विकास और व्यवस्थागत कार्यों की योजना पर काम किया जा रहा है और उनकी प्रगति लगातार मॉनिटर की जा रही है. अपर मुख्य सचिव ने कहा कि महाकाल ओंकारेश्वर और पशुपतिनाथ ऐसे जुड़े की श्रद्धालुओं को तीनों स्थानों पर सुलभ दर्शन प्राप्त हो, इधर, मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग ने भी सिंहस्थ से जुड़े कार्यों की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मंदसौर में पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र में व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए कार्य किए जा रहे हैं. इसके अंतर्गत शिवना नदी पर बनने वाले पुल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की प्रगति की जानकारी भी प्रस्तुत की गई. अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा किया जाए.

# 3552 एलपीजी सिलेण्डर किए जब्त

**भोपाल, 05 अप्रैल. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है.**

भारत में कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के कारण देश और प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है. मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई में किसी प्रकार की रुकावट नहीं है. मंत्री श्री राजपूत ने अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नही दें तथा घबराहट में खरीदारी (पैनिक बाइंग) से बचें. घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के अनुरूप सिलेंडरों की आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है. वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को भी शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकता क्रम के अनुसार कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सतत आपूर्ति की जा रही है. उपभोक्ताओं की मांग को देखते हुए गैस बॉटलिंग प्लांट अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं.

### कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई

प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है. अब तक 2693 स्थानों पर जांच की गई है, जिसमें 3552 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं और 10 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है. इसके अलावा 666 पेट्रोल पंपों की जांच भी की गई, जिनमें 2 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है. जिला आपूर्ति अधिकारियों और ऑयल कंपनियों के अधिकारियों को पेट्रोल पंपों की नियमित जांच के निर्देश दिए गए हैं.

# प्रदेश के कई हिस्सों में जमकर हुई ओलावृष्टि

## 27 जिलों में ओले-बारिश और तेज आंधी का अलर्ट

**भोपाल, 5 अप्रैल. मध्यप्रदेश में सक्रिय मजबूत वेदर सिस्टम के चलते प्रदेश के कई जिलों में मौसम पूरी तरह बदल गया है.**

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, मंडला, बालाघाट, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा और बुरहानपुर समेत 27 जिलों में तेज बारिश, ओले और आंधी का असर देखा गया है. मौसम विभाग ने इन जिलों में अलर्ट जारी किया है और कहा है कि 8 अप्रैल तक अस्थिर मौसम जारी रह सकता है. मौसम की अचानक बदलती स्थिति के चलते कई इलाकों में सड़कें सफेद चादर जैसी दिख गईं, खासकर चंबल और बुंदेलखंड क्षेत्रों में. बैतूल, श्योपुर और मुरैना में जमकर ओलावृष्टि हुई, जबकि 20 से अधिक जिलों में तेज आंधी और बारिश दर्ज की गई. किसानों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा, क्योंकि खेतों में खड़ी फसलें और खलिहान में रखी उपज प्रभावित हुई.

### मौसम अस्थिर रहने की संभावना

मौसम विभाग ने बताया कि प्रदेश में सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण सुबह से बादल छाए रहे और दोपहर के बाद गतिविधियां तेज हो गईं. तेज हवाओं की रफ्तार 30-60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है, जबकि कुछ जिलों में हवा की गति 50-60 किमी/घंटा तक हो सकती है. अगले कुछ दिनों में भी मौसम अस्थिर रहने की संभावना है. 7 अप्रैल से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, जिससे 10-11 अप्रैल तक मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा.

# मोहन और खंडेलवाल से शिवराज की मुलाकात

## संगठन और सरकार से जुड़े मुद्दों पर भी हुई चर्चा

**भोपाल, 05 अप्रैल. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मौजूदगी में पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मुलाकात के दौरान समसामयिक मुद्दों पर चर्चा हुई.**

पार्टी सूत्रों के अनुसार शनिवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में तीनों नेताओं के बीच लगभग आधा घंटे तक मुलाकात चली.

### बताया गया है कि प्रदेश भाजपा संगठन और राज्य सरकार के विभिन्न निगम मंडलों में राजनीतिक नियुक्तियों की प्रक्रिया के बीच इस मुलाकात के दौरान प्रदेश सरकार और संगठन से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई. बैठक में गेहूं खरीदी का मुद्दा भी उठा. इस दौरान विदिशा संसदीय क्षेत्र से सांसद श्री चौहान ने रायसेन में 11 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले तीन दिवसीय किसान ज्ञान महाकुंभ के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव को विधिवत आमंत्रण सौंपा.

मुलाकात संबंधी छायाचित्र रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.

# मध्यप्रदेश में सशक्त बन रहीं पंचायती राज संस्थाएं

## 14 जिलों ने किया पंचायत प्रोत्साहन योजना में बेहतर प्रदर्शन

**भोपाल, 5 अप्रैल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की पंचायती राज संस्थाएं लगातार सशक्त बन रही हैं.**

पंचायत प्रोत्साहन योजना में 14 जिलों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जबकि प्रदेश में कुल 16,773 परियोजना कार्य पूरे किए गए हैं. प्रदेश के 9 लाख से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को आईआईएम, आईआईटी और अन्य संस्थानों के सहयोग से उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया है. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत पंचायतों को प्रतिस्पर्धात्मक प्रोत्साहन देकर उनके विकासात्मक कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है.

भोपाल, नरसिंहपुर, सागर, छतरपुर, सीधी, पूर्वी निमाड़, हरदा, उज्जैन, जबलपुर, इंदौर, नीमच, गुना, ग्वालियर और झाबुआ के पंचायतों ने योजना में बेहतर प्रदर्शन किया. ई-पंचायत मिशन मोड परियोजना के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म और ईग्रामस्वराज ऐप के माध्यम से योजना, लेखांकन, निगरानी और ऑनलाइन भुगतान को सुगम बनाया गया है.

### मुख्यमंत्री ने यज्ञदत्त शर्मा की जयंती पर की पुष्पांजलि अर्पित

**भोपाल.** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. यज्ञदत शर्मा की जयंती पर विधानसभा में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया. पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, स्व. शर्मा के परिजन, विशेष रूप से उपस्थित थे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. शर्मा ने जनकल्याण के दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया.

# किसानों की समृद्धि-खुशहाली के लिए सरकार के प्रयास जारी

**भोपाल, 05 अप्रैल. किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा है कि किसानों की समृद्धि और खुशहाली के लिये राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं.**

उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों का हित सर्वोपरि है जिसे ध्यान में रखते हुए वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है. किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उनका उत्थान किया जा रहा है. कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष 2026 में राज्य सरकार श्रीअन्न उत्पादन बढ़ाने की रणनीति पर कार्य कर रही है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनजातीय बहुल्य क्षेत्रों में पारंपरिक कोदो-कुटकी का संवर्धन और उत्पादन बढ़ाने के लिये किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं. मध्यप्रदेश की तीन फसलों सिताही, कुटकी, नागदमन कुटकी और बैंगनी अरहर को जीआई टैग दिलाने के लिये प्रस्ताव चैन्नई भेजे गए हैं. रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना का लाभ किसानों को मिल रहा है. मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि प्रदेश में किसानों को साल में 12 हजार रूपये सम्मान निधि प्रदान की जाती है.

# गेहूं सड़ने के बड़े घोटाले का आरोप

## यह मामला कुप्रबंधन, जवाबदेही की कमी को दर्शाता है : पटवारी

**विशेष संवाददाता**

**भोपाल, 5 अप्रैल. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी रायसेन जिले के दिवटिया (नूरगंज) और नूरगंज स्थित गोदामों में हजारों टन गेहूं सड़ने के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने इसे भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलता का गंभीर उदाहरण बताया है.**

पटवारी ने कहा कि यह मामला केवल लापरवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि गहरे स्तर पर कुप्रबंधन और जवाबदेही की कमी को दर्शाता है. वर्ष 2017-18 से 2019-20 के बीच समर्थन मूल्य पर खरीदा गया लगभग 20 हजार टन गेहूं वर्षों तक बिना उचित वितरण और रखरखाव के गोदामों में पड़ा रहा, जिसके कारण वह अंततः उपयोग के योग्य नहीं रहा. उन्होंने आरोप लगाया कि भंडारण, रखरखाव, परिवहन और कीटनाशक छिड़काव जैसे खर्चों के कारण इस गेहूं की लागत 35 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 150 करोड़ रुपये तक पहुंच गई. उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी अधिक लागत वृद्धि का औचित्य क्या है और क्या यह अनियमितताओं को छिपाने के लिए जानबूझकर किया गया प्रयास है.

इस पूरे प्रकरण को 'संगठित आर्थिक अपराध' बताते हुए पटवारी ने कहा कि गरीबों के लिए निर्धारित अनाज को सड़ने दिया गया, जबकि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया गया. उन्होंने चेतावनी दी कि अत्यधिक कीटनाशक उपयोग के कारण यह गेहूं जहरीला हो चुका है, जिससे जनस्वास्थ्य को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है.

उन्होंने उच्च स्तरीय न्यायिक जांच, दोषी अधिकारियों और संबंधित संस्थाओं पर आपराधिक कार्रवाई तथा नुकसान की भरपाई की मांग की. साथ ही राज्य की भंडारण और वितरण व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता भी जताई. पटवारी ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस जनहित की रक्षा के लिए प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी.

### कांग्रेस के समक्ष उठीं ट्रक चालकों की समस्याएं

**विशेष संवाददाता**

**भोपाल, 5 अप्रैल.** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने रविवार को अपने निवास पर मध्य प्रदेश ट्रक यूनियन के सदस्यों के साथ विस्तृत संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना. बैठक के दौरान यूनियन प्रतिनिधियों ने प्रदेशभर में ट्रक चालकों के सामने आ रही बढ़ती कठिनाइयों को उजागर किया. उन्होंने बताया कि उन्हें बीमा सुविधाओं का समुचित लाभ नहीं मिल रहा है, न ही उन्हें पर्याप्त शासकीय सुरक्षा प्राप्त है और उनके हितों के लिए कोई ठोस कल्याणकारी व्यवस्था भी नहीं है. जीतू पटवारी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि कमजोर नीतियों और प्रशासनिक उदासीनता के कारण परिवहन श्रमिकों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है. उन्होंने कहा कि जो लोग सड़क परिवहन के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं, वही आज सबसे अधिक उपेक्षित और परेशान हैं. ट्रक चालकों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी उनकी सभी जायज़ मांगों को मजबूती से उठाएगी. उन्होंने कहा कि उनके अधिकारों की रक्षा और समस्याओं के समाधान के लिए हर स्तर पर निरंतर प्रयास किए जाएंगे.

**स्मरण** | कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकत्रित हुए और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

# श्रद्धा, सम्मान के साथ मनाई बाबू जगजीवन राम जयंती

**विशेष संवाददाता**

**भोपाल, 5 अप्रैल. महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर समाज सुधारक एवं दलित समाज के प्रेरणास्त्रोत बाबू जगजीवन राम की जयंती रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय भोपाल में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई.**

इस अवसर पर कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकत्रित हुए और उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. कार्यक्रम में प्रभुदयाल जोहरे (जिलाध्यक्ष ग्वालियर ग्रामीण), मुकेश बंसल (उपाध्यक्ष प्रदेश अनुसूचित जाति विभाग), नीरज चंडाले (जिलाध्यक्ष शहर अनुसूचित जाति विभाग), विनय मालवीय (जिलाध्यक्ष ग्रामीण अनुसूचित जाति विभाग) सहित शुभम इंद्रासे, शुभम अहिरवार और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुसूचित जाति विभाग कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और संघर्ष का जीवंत उदाहरण है. आज भी दलित, वंचित और कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए उसी दृढ़ता और संकल्प के साथ संघर्ष करने की आवश्यकता है. उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में अनुसूचित जाति वर्ग के अधिकारों को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं.

### संगठन को मजबूत करने के लिए प्रदेश, जिला और पंचायत स्तर तक समितियों का गठन किया जा रहा है. साथ ही सामाजिक न्याय, आरक्षण और संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के लिए जनजागरण अभियान और आंदोलन चलाए जा रहे हैं. प्रदीप अहिरवार ने यह भी कहा कि युवाओं को शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी में आगे लाने के लिए विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि बाबू जगजीवन राम के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना और उनके बताए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60